PRGI No. UPHIN/25/A1697

# गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 053
दि. 22.06.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

# 45 मिनट तक दिल्ली एयरपोर्ट पर पीएम मोदी करते रहे इंतजार, नीट परीक्षा की वजह से लिया रुकने का फैसला

**अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोलकाता में योग कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दिल्ली लौटे पीएम मोदी एयरपोर्ट पर करीब 45 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। पीएम मोदी ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि यातायात प्रभावित हो सकता था और दो बजे से नीट परीक्षा शुरू होनी थी।**

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए एक संवेदनशील फैसला लिया। उन्होंने ठएएळ परीक्षा के चलते यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब 45 मिनट तक इंतजार किया। पीएम मोदी ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि दोपहर 2 बजे नीट परीक्षा आयोजित होनी थी और पीएम के प्रोटोकॉल के हिसाब से जिस जगह काफिला निकलता वहां पर कुछ समय तक ट्रैफिक बाधित हो जाता है। ऐसे में छात्रों को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता था। ऐसे में पीएम मोदी ने 2 बजे तक के लिए एयरपोर्ट पर ही इंतजार का फैसला लिया।

आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री का काफिला निर्धारित

समय एक बजकर 15 मिनट पर रवाना हो सकता था, लेकिन ठएएळ परीक्षा देने जा रहे छात्रों को किसी तरह की परेशानी न हो और उनके आवागमन में बाधा न आए, इसके लिए उन्होंने कुछ समय तक रुकने का निर्णय लिया। इस दौरान सुरक्षा और यातायात से जुड़ी व्यवस्थाओं को भी ध्यान में रखा गया।

### कोलकाता से लौटे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में योग कार्यक्रम और भारतीय नौसेना के एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद नई दिल्ली लौटे थे।

### री-नीट यूजी एग्जाम को लेकर प्रशासन अलर्ट

देशभर में री-नीट यूजी 2026 परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो, इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। करीब 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए आयोजित इस महत्वपूर्ण परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया और परीक्षा केंद्रों पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अभ्यर्थियों ने कड़ी जांच के बाद परीक्षा केंद्रों में प्रवेश किया। इस दौरान सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दीं। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि नीट परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और सफल तरीके से आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की स्पष्ट प्रतिबद्धता है कि किसी भी परिस्थिति में युवाओं और छात्रों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचने दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में नीट की दोबारा परीक्षा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर के 127 केंद्रों पर 50,000 से ज्यादा उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में नीट परीक्षा के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है; नौ केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और प्रश्न पत्रों को पुलिस व आईटीबीपी की सुरक्षा में केंद्रों तक पहुंचाया गया है।

# पीएम मोदी ने कोलकाता में मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, लोगों के साथ किए योगासन

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोलकाता के रेड रोड पर हजारों लोगों के साथ योगाभ्यास किया। सफेद टी-शर्ट और सफेद पैंट पहने प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लोगों के साथ योगासन किए।**

(जीएनएस)।

कोलकाताः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कोलकाता में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का समापन हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम के जरिए योग दिवस पर देश का नेतृत्व किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कोलकाता के नागरिकों का आभार भी व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि आज सुबह कोलकाता के रेड रोड पर योग दिवस का एक शानदार

कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हर वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया और सभी के जीवन में योग के महत्व का एक अहम संदेश दिया। इस बार कार्यक्रम की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थी, जिसमें हर उम्र में फिट और स्वस्थ रहने के लिए योग के महत्व पर जोर दिया गया।

उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि मैं इस साल के योग दिवस कार्यक्रम के लिए इतने शानदार मेजबान बनने पर कोलकाता के अपने भाइयों और बहनों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इस जीवंत शहर में इसे मनाना सम्मान की बात है। योग दिवस से पहले पूरे शहर में स्वच्छता अभियान चलाए गए, जो बहुत प्रेरणादायक भी थे। कोलकाता के लोगों ने एक नागरिक के तौर पर अपने कर्तव्यों का पालन करने का एक बड़ा संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि पूरा देश, पूरा विश्व एक दूसरे से जुड़ा हुआ नजर आ रहा है और यही योग की ताकत है। योग सबको जोड़ता है, योग सबको साथ लाता है। मैं इस अवसर पर पूरे विश्व को, संपूर्ण मानव समुदाय को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोलकाता के रेड रोड पर हजारों लोगों के साथ योगाभ्यास किया। सफेद टी-शर्ट और सफेद पैंट पहने प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लोगों के साथ योगासन किए। करीब 40 मिनट के सत्र के दौरान मोदी प्रतिभागियों के बीच घूमते नजर आए।

उन्होंने योग प्रोटोकॉल के अनुसार किए जा रहे आसनों को करीब से देखा और यह सुनिश्चित किया कि उन्हें सही तरीके से किया जा रहा है।

उन्होंने कई मौकों पर प्रतिभागियों की मुद्राएं ठीक करने में भी उनकी मदद की।

इससे पहले, पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 21 जून का ये दिन, पृथ्वी के कुछ भूभाग पर साल में सबसे लंबी अवधि का दिन होता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कारण 21 जून का ये दिन विश्व के सबसे बड़े सामूहिक उत्सव का दिन भी बन गया है। विश्व के अलग-अलग हिस्सों से योग की एक से एक अद्भुत तस्वीरें आ रहीं हैं। भारत में हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक, पूर्वोत्तर और पूरब में बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक, पूरा देश योग की ऊर्जा से चैतन्य से भरा हुआ नजर आ रहा है।

## खुशखबरी, लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल में सुबह 3 घंटे तक नहीं लगेगा टिकट, मुफ्त में घूमिए

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की पहल पर लखनऊ विकास प्राधिकरण ने नागरिकों को दी सहूलियत. लखनऊः बसंतकुंज योजना स्थित राष्ट्र प्रेरणा

स्थल में मॉर्निंग वॉकर्स को अब प्रवेश शुल्क नहीं देना होना. रक्षामंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह की पहल पर लखनऊ विकास प्राधिकरण ने मॉर्निंग वॉकर्स के लिए प्रवेश निःशुल्क करने का निर्णय लिया है.

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने शनिवार को इस सम्बंध में आदेश जारी कर दिये हैं.

# योग भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर', राष्ट्रपति मुर्मू ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

(जीएनएस)।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने योग को भारत की सांस्कृतिक विरासत का अमूल्य उपहार बताते हुए कहा कि 'आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है, तब योग मानवता को शांति, संतुलन और सद्भाव की दिशा दिखा रहा है।'

गैरिसन ग्राउंड में आयोजित विशाल योग सत्र में राष्ट्रपति ने मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई छगनभाई पटेल, मुख्यमंत्री मोहन यादव और हजारों प्रतिभागियों के साथ योगाभ्यास किया। सफेद सलवार-कुर्ता पहने राष्ट्रपति ने विभिन्न योगासन किए और लोगों को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि 'योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और

आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का माध्यम है। योग'का शाब्दिक अर्थ जोड़ना है और यह व्यक्ति को स्वयं से, समाज को प्रकृति से तथा मानवता को सार्वभौमिक चेतना से जोड़ता है।'

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में योग वैश्विक कल्याण का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है और दुनिया के अनेक देशों में करोड़ों लोग इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना चुके हैं। इस वर्ष की थीम "ल्रीं'३ॅ८ अ्रैल्लॅ" का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि योग बढ़ती उम्र में भी लोगों को सक्रिय, आत्मनिर्भर और मानसिक रूप से संतुलित बनाए रखने में मदद करता है।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा कि 'योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को सरल, संतुलित और आनंदमय बनाने की कला है। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन 20 से 30 मिनट योग, ध्यान और प्राणायाम करने की अपील की।'

# उ.प्र. में मनाया गया योग दिवस, राज्यपाल से लेकर सीएम योगी सहित कई भाजपा नेताओं ने दिया निरोग रहने का संदेश

**शनिवार को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। राजभवन के लॉन में सुबह 6 बजे हुए सामूहिक योग कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी शामिल हुईं और लोगों के साथ योगाभ्यास किया।**

**योग कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल शामिल हुईं, सीएम योगी ने झांसी में आयोजित योग कार्यक्रम के दौरान योग किया**

(जीएनएस)।

लखनऊः यूपी में शनिवार को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। राजभवन के लॉन में सुबह 6 बजे हुए सामूहिक योग कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी शामिल हुईं और लोगों के साथ योगाभ्यास किया। इस दौरान आनंदीबेन पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आ'ान किया।

बता दें, इस साल योग दिवस की थीम 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' रखी गई है। वहीं सीएम योगी ने झांसी में आयोजित योग कार्यक्रम के दौरान योग किया। विश्व योग दिवस पर भाजपा प्रदेशभर में 'योग से निरोग' का संदेश देकर जन-जन को योग से जोड़ने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय परंपराओं और विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के साथ ही हम सबके लिए ऐसा विजन प्रस्तुत किया है, जिससे 140 करोड़ भारतीय आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़कर 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार कर सकें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने महाराजगंज में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रनिधियों, कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ योग किया। योग दिवस पर यूपी के दो उप मुख्यमंत्री और प्रदेश महामंत्री संगठन ने अलग-अलग जगह योग किया। केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज पहुंचे, ब्रजेश पाठक लखनऊ में रहे और धर्मपाल सिंह ने राजाजीपुरम में योगाभ्यास किया। में भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना भी शामिल हुए।

उन्होंने लोगों से स्वस्थ तन और मन के लिए योग को रोज की दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। पुलिस परेड ग्राउंड में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में आम लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। इस दौरान मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग अभियान की सराहना करते हुए कहा कि आज दुनिया भर में योग की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

### उन्नाव डीएम और एसएसपी ने योग किया

उन्नाव में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अफसरों ने योग की पाठशाला लगाई। पुलिस लाइन में आयोजित योगाभ्यास में राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील विश्वकर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जिलाधिकारी घनश्याम मीना और एसएसपी जेपी सिंह ने मुख्य अतिथि व अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर योग किया। अफसरों ने योगाभ्यास के जरिए लोगों को स्वस्थ और निरोग रहने का संदेश दिया।

# शशि थरूर पर पवन खेड़ा का 'महामानव मोदी' तंज

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर और पार्टी नेतृत्व के बीच असहज रिश्ते एक बार फिर शनिवार को चर्चा में आ गए. कांग्रेस सांसद और अक्ळउ संचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर पर नया तंज कसते हुए उन्हें 'महामानव मोदी' का भक्त बताया. यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिकी जहाज पर हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के मामले को संभालने पर थरूर की टिप्पणियों के बाद आई.

इस टिप्पणी ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि कांग्रेस नेतृत्व विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर मोदी सरकार की थरूर द्वारा की गई तारीफ से असहज है.

खेड़ा ने एक्स पर लिखा, 'मेरे वरिष्ठ सहयोगी डॉ. शशि थरूर की प्रधानमंत्री

## नाविकों की मौत पर कांग्रेस में दरार फिर उजागर

मोदी के प्रति प्रशंसा अब शायद भौतिक दुनिया की सीमाओं को भी पार कर चुकी है. अब ऐसा लगता है कि वे वह भी सुन सकते हैं, जो मोदी ने कहा ही नहीं.'

उन्होंने आगे लिखा, 'थरूर जी ने किसी तरह ऐसे मजबूत दावे, कड़ा जवाब और बिना समझौते वाली कूटनीति सुन ली, जो आधिकारिक रिकॉर्ड में कहीं दर्ज ही नहीं है.'

उन्होंने आगे कहा, 'शायद हम बाकी लोग सामान्य मानवीय इंद्रियों तक सीमित हैं. 'महामानव मोदी' के भक्तों के लिए, मोदी जितना कम बोलते हैं, उन्हें उतना ज्यादा सुनाई देता है.'

खेड़ा की टिप्पणियों से पहले थरूर ने एक्स पर लिखा था कि एक मानवीय मुद्दे को राजनीतिक विवाद बनाया जा रहा है.

उन्होंने लिखा, 'सच कहूं तो मुझे यह बेहद हैरानी की बात लगती है कि भारतीय नागरिक नाविकों की सुरक्षा को लेकर दिए गए एक बयान को राजनीतिक विवाद में बदला जा रहा है.'

उन्होंने आगे लिखा, 'तीन भारतीयों की जान गई है. मेरी टिप्पणियां हमारे नागरिकों की सुरक्षा और इस सिद्धांत को लेकर थीं कि व्यापारिक जहाजों पर काम करने वाले नागरिक नाविक कभी भी सैन्य कार्रवाई का निशाना नहीं बनने चाहिए. अगर कुछ लोग इस चिंता पर बात करने के बजाय राजनीतिक अंक बटोरने में ज्यादा रुचि रखते हैं, तो यह उनके बारे में ज्यादा बताता है, मेरे बारे में नहीं.' उन्होंने कहा, 'भारतीयों की जान की चिंता हमें एकजुट करनी चाहिए, बांटना नहीं चाहिए.'

खेड़ा और थरूर के बीच यह बयानबाजी उस टिप्पणी के बाद हुई, जो तिरुवनंतपुरम सांसद ने इस हफ्ते की शुरूआत में की थी.

थरूर ने पीटीआई से कहा था, 'जब भारतीय नाविकों की बात आती है, तो प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से और मेरी जानकारी के अनुसार निजी तौर पर भी बहुत मजबूती से अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि आपको समझना होगा कि कई जहाजों पर भारतीय नाविक काम करते हैं. वह भारतीय जहाज नहीं था, लेकिन दूसरे देशों के झंडे वाले जहाजों पर भी बहुत सारे भारतीय चालक दल और नाविक हैं.

## डान अब्दुल लतीफ का शूटर तस्लीम अरेस्ट, 9 लोगों समेत एमपी की हत्या, 7 साल पुलिस को नचाया-दाउद से लिंक?

गुजरात पुलिस ने 21 जून 2026 को एक बड़ी सफलता हासिल की। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 1992 के राधिका जिमखाना हत्याकांड और पूर्व राज्यसभा सांसद रऊफ वलीउल्लाह हत्याकांड के दोषी मोहम्मद तस्लीम उर्फ मोहम्मद तस्लीम मोहम्मद उमर शेख को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया। यह शख्स अब्दुल लतीफ गैंग का भरोसेमंद शार्पशूटर था, जो 2019 में साबरमती सेंट्रल जेल से अस्थायी पैरोल पर छूटने के बाद फरार हो गया था। सात साल तक पहचान बदलकर छिपे रहने के बावजूद पुलिस की जॉइंट टीम ने उसे पकड़ लिया।

# झांसी को सीएम योगी की सौगात, सर्किट हाउस में 5 वीवीआईपी सुइट और 10 बेड की डॉरमेट्री का किया शुभारंभ

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में 5 वीवीआईपी सुइट और 10 बेड की डॉरमेट्री का उद्घाटन किया।**

**सीएम ने विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।**

(जीएनएस)। झांसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झांसी प्रवास के दौरान शनिवार शाम सर्किट हाउस पहुंचे। उन्होंने यहां बटन दबाकर 5 सुइट व 10 बेड की डॉरमेट्री का शुभारंभ किया।

सर्किट हाउस में 5 सुइट की सुविधा वीवीआईपी/वीआईपी अतिथियों तथा 10 बेड की डॉरमेट्री की सुविधा कर्मचारियों के लिए की गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों से विकास कार्यों को लेकर प्रगति जानी। सर्किट हाउस

पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, महापौर बिहारी लाल आर्य, विधायक राजीव सिंह, रवि शर्मा, उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता आदि मौजूद रहे।

# सम्पादकीय

## घटती हुई हिदू जनसंख्या के सबसे मुख्य कारण हिदू धर्म से हो रहा धर्मातरण

पिछले वुछ समय से देश में हिदुओं की घटती हुई जनसंख्या पर काफी चिता व्यत्त की जा रही है। यही नहीं वुछ समय पूर्व इस विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत में चिता व्यत्त की थी, सरसंघचालक ही नहीं कईं हिदू संगठनों ने भी इस विषय में अपनी चिन्ता व्यत्त की थी। इस में घटती हुई हिदू जनसंख्या के मुख्य कारणों को जानना अत्यंत आवश्यक है। घटती हुई हिदू जनसंख्या के सबसे मुख्य कारण हिदू धर्म से हो रहा धर्मातरण है, इसके अनेक कारण है जहां एक और हिदू राष्ट्र की रट लगाने वाले स्वयंभू सनातनी रोजरोज हिदू राष्ट्र स्थापना के नाम पर दलितों आदिवासियों के आरक्षण को समाप्त करने की मांग करते रहते हैं। ऐसा लगता है कि सदियों से उपेक्षित दलित और आदिवासियों को मिलने वाले 22.5% आरक्षण के कारण इन लोगों के मेरिटधारी बच्चों को बेरोजगार कर दिया है पर इन लोगों के इस तरह के दुष्प्रचार के कारण हिदू धर्म में जबरदस्त धर्मातरण हो रहा है और देश में हिदू जनसंख्या में लगातार कमी आ रही है विशेष कर आदिवासी क्षेत्रों में आदिवासी जनसंख्या बहुत तेजी से ईंसाईं धर्म अपना रही है। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की वुल जनसंख्या क्या 8.02% हिस्सा बनवासी समाज का रहा है। देश के प्रमुख राज्यों में वनवासियों का हिस्सा राजस्थान में 12.6%, मध्य प्रदेश में 20.3%, छत्तीसगढ़ में 31.8% बिहार में 0.9%, झारखंड में 26.3%, उड़ीसा में 22.1%, अरुणाचल प्रदेश में 64.2%, नागालैंड में 89.1%, मणिपुर में 34.5%, मिजोरम में 94.5%, त्रिपुरा में 31.1% और मेघालय में 85.9% है। इससे स्पष्ट होता है कि आदिवासियों का एक बड़ा हिस्सा देश के पूवरेत्तर राज्यों में निवास करता है यह एक ऐतिहासिक सत्य है कि पूवरेत्तर भारत के राज्य और यहां के निवासी अंग्रेज शासन के आरंभिक काल में से ही धर्मातरण के लिए ईंसाईं मिशनरियों के लक्ष्य वेंद्र रहे हैं और पूवरेत्तर राज्यों में ईंसाईं इसी मतावलंबियों की बढ़ती हुई जनसंख्या इस बात का जीता जागता प्रमाण है। वुछ वर्ष पूर्व भारत के जनगणना आयुत्त की ओर से जारी किए गए आंकड़ों से मैं बादशाह में आईं कि देश की वुल आबादी में लगभग 80.5% हिदू 13.4%, मुस्लिम वह 2.3% इन आंकड़ों से यह भी खुलासा हुआ है कि सरवन 1981 से 1991 की जनसंख्या में वृद्धि दर 22.80% की तुलना में हिदुओं की आबादी की वृद्धि घटकर 20% हो गईं है जबकि ईंसाइयों के मामले में उनकी 17% की वृद्धि दर 1991 से 2001 के बीच बढ़कर 22.01% हो गईं है। राष्ट्रीय अलस्तर पर हिदुओं की जनसंख्या में वृद्धि दर में 2.8 परसेंट की गिरावट दर्ज की गईं, वहीं ईंसाइयों की जनसंख्या में 5.1% की वृद्धि दर देखी गईं। वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के बीच मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 0.8% दर्ज की गईं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार 1950 के बाद से मुस्लिम जनसंख्या में 43.5% की वृद्धि का दावा किया गया है जिससे एक राजनीतिक बहस चल गईं थी यह वृद्धि दर धर्मातरण के कारण हुईं या अवैध घुसपैठ के कारण और वर्ष 1881 के बाद के दौर में मुसलमान और ईंसाइयों की जनसंख्या के अनुपात में वृद्धि एक नियमित प्रव्रिया बन गईं है। वर्ष 1956 में हिदू धर्म में व्याप्त छुआछूत और रूढ़िवादिता के कारण डॉ. आंबेडकर ने अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा ली। यद्यापि बौद्ध धर्म भारत वर्ष में उत्पन्न हुआ वैधानिक के रूप से हिदू संस्वृति का हिस्सा है पर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता की बौद्ध धर्म के अनुयाईं अपने आप को हिदू सनातन धर्म का हिस्सा नहीं मानते। 20वीं साड़ी में भारत में ईंसाइयों की जनसंख्या में वृद्धि भी भौगोलिक तौर पर खास क्षेत्र में सीमित रही अगर गहराईं से विशेषण करें तो पता चलता है कि प्रादेशिक स्तर पर विशेष का देश के पूवा भागों में ईंसाइयों की आबादी में परिवर्तन अप्रत्याशित है या आबादी प्रभावी रूप से ना बढ़कर धर्मातरण के कारण बनी जिसके पीछे चर्च के प्रतिष्ठान की संगठन शत्ति और हिदू धर्म की रूढ़िवादिता है हिदुओं के मत्तांतरण के लिए चर्चो का वुशल प्रबंधन, हिदू धर्म के ठेकेदारों का दलित और आदिवासियों की उपेक्षा है ब्रिटिश राज्य में इसीईं मिशनरियों को जनजाति क्षेत्र में विस्तार को शासको की ओर से काफी बल मिला और ईंसाइयत व्यत्तिगत आधार पर और जनजाति आधार पर जनजातियों में प्रवेश कर गईं धर्म प्रचारकों पर जो प्रतिबंध था।

# एसआईटी ने सीएम योगी को सौंपी शुरूआती रिपोर्ट, दावा- चंपत राय को मिल सकती है क्लीन चिट? सेवादारों को थी गबन थी जानकारी

(जीएनएस)।

राम मंदिर में दान पेटी कथित गबन मामले में बड़ी खबर आ रही है. सूत्रों से खबर आ रही है कि चंपराय को मंदिर दान चोरी मामले की जानकारी नहीं थी इसलिए उन्हें क्लीन चिट दिया जा सकता है. सूत्रों ने ही बताया कि रक्ळ ने यह माना कि सेवादारों को गबन की जानकारी थी. रक्ळ के हवाले से बताया गया है कि फाइनल रिपोर्ट आने में अभी समय लग सकता है. ऐजेंसी ने विस्तार से जांच के लिए समय मांगा है. राम मंदिर दान चोरी मामले में अब तक की ये सबसे बड़ी खबर है.

कथित चोरी मामले की जांच कर रही रक्ळ शनिवार रात अयोध्या से लखनऊ लौटी और जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शुरूआती रिपोर्ट सौंप सकती है. रक्ळ की अगुवाई लखनऊ के डिविजनल कमिश्नर विजय विश्वास पंत कर रहे थे और इसके सदस्यों में लखनऊ रेंज के क्क्ष् किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं. सूत्रों ने बताया कि अयोध्या से निकलने से पहले रक्ळ ने गहन पूछताछ और दस्तावेजों की जांच का पहला दौर पूरा कर लिया. टीम सरकार को अपनी जांच के नतीजों के बारे में जानकारी दे सकती है, जिसमें मंदिर अधिकारियों, बैंक अधिकारियों और दान की गिनती और उसे संभालने में शामिल कर्मचारियों से जुटाए गए सबूत शामिल हैं.

### 200 किलो चांदी चोरी होने पर क्या बोले दानकर्ता?

सवाल 1. डॉ. मानवानी, अयोध्या में इस वक्त चंदे को लेकर चौतरफा विवाद और रक्ळ जांच चल रही है. इस पूरे विवाद पर एक रामभक्त और एक बड़े दान दाता के नाते आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या है?

राजू मानवानीः देखिए जब भी कोई दान देता है तो ये सोचकर दान नहीं देता कि हमे कुछ मिले, लेकिन दान देने के बाद रसीद नहीं मिलती है या उन्हें ये नहीं बताया जाता है की 200 किलो चांदी कहाँ यूज हो रही है मंदिर के अंदर तो थोड़ा दुःख तो होता है. हमने 6 साल से इस बात पता नहीं चला की इसका कहां यूज हुआ, हमने रिमाइंडर भी भेजें, मंदिर खुलने का हमे आमंत्रण मिले, लेकिन कभी कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला.

सवाल 2: आपका कहना है कि राम मंदिर निर्माण के दौरान सिंधी समाज ने 200 किलो चांदी की ईंटें दान की थीं. ये कोई छोटा-मोटा दान नहीं है, करोड़ों की संपत्ति है. ये पूरा वाकया कब का है?

राजू मानवानीः ये वाक्या 26 जनवरी 2021 का है जब सभी लोग राममंदिर के लिए दान दे रहे थे, तो हम सिंधी समाज के लोगों ने भी मंदिर निर्माण में सहयोग करने का सोचा और हमलोगों ने 200 किलो चांदी की ईंटें दान में दिया.

सवाल 3: आपने देश के सामने ये बात रखी है कि आपने ये दान सीधे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय को सौंपा था. चंपत राय जी से आपकी क्या बातचीत हुई थी, उन्होंने उस वक्त आपसे क्या कहा था?

राजू मनवानीः चंपत राय जी और उनकी टीम के लोगों को हमने 200 किलो चांदी की ईंटें कई पेटियों में करके दिया था, हमारे सिंधी समाज के लगभग 200 लोग भी उस समय मौजूद थे, उस समय की सभी फोटोग्राफ भी मौजूद है.

सवाल 4: डॉ. मानवानी, जब देश का आम नागरिक 100 रुपये भी दान करता है, तो वो तुरंत रसीद लेता है. आप 200 किलो चांदी दान में दीड्ढ इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई कि आपने मौके पर रसीद नहीं ली? या आपको रसीद देने से मना किया गया था?

राजू मनवानीः दान देने के बाद 2-3 बार पूछने की कोशिश की गयी कि इसका कहां यूज होगा, तो बोला गया कि पहले चेक करेंगे उसके बाद में बताया जायेगा लेकिन आजतक इसके बारे में नहीं बताया गया, ना ही हमसे संपर्क किया गया और ना ही आमंत्रण आया और ना ही कभी कहा गया की आकर दर्शन करके जाएं.

सवाल 5: आपने करीब 5 साल पहले राम मंदिर में दान दिया था.. इन 5 सालों में क्या आपने कभी ट्रस्ट से या चंपत राय जी से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की ? अगर बात हुई, तो वहां से क्या जवाब मिला?

राजू मनवानीः चांदी के बारे में सिर्फ इतना बताया गया था कि चांदी की जांच कर लेंगे तब बताएंगे, चंपत राय के आदमी थे जिन्होंने बोला था की जब तक जांच नहीं होती चांदी की तब तब तक नहीं बता पाएंगे, हमने लगातार संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कभी बात नहीं हो पाई. चंपत राय से भी सीधे बात करने की कोशिश की लेकिन उनसे बात नहीं हो पायी और ना ही रिस्पॉंश नहीं मिला, ये तो अभी टीवी पर न्यूज देखकर दुःख कि हमारी चांदी का क्या हुआ, लेकिन एक बात की सैटिस्फेक्शन है योगी जी गलत नहीं होने देंगे उन्होंने रक्ळ बैठायी है. मुझे पूरा विश्वास है योगी जी मोदी जी गलत काम होने नहीं देंगे , लेकिन कमसे कम हमे पता चले हमारा दान सही जगह गया है या नहीं गया है.

सूत्रों से खबर आ रही है कि रक्ळ चंपतराय को क्लीन चिट देने जा रही है लेकिन अभी तक के जांच के बाद रक्ळ ने किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है. विस्तार से जांच के लिए अभी समय मांगा है. यानि कि बीते 5 दिनों में जांच में रक्ळ को कई अहम सुराग हाथ लगे हैं. रक्ळ जांच को बहुत संभलकर कर रही है, ताकि इस मामले में कोई निर्दोष न फंस जाए.

### क्या सवाल उठ रहे

सबसे पहला सवालः टिन्नू यादव के पास तिजौरी की चाबी रहती थी. दूसरा सवालः आखिर गोपाल राव किस हैसियत से तिजौरी की अन्य जिम्मेदारियां संभाल रहे थे.

### चंपतराय को मिली क्लीन चिट

चंपतराय को नहीं थी मंदिर के दान चोरी की जानकारी. सेवादारों पर गाज गिर सकती है. हालांकि रक्ळ ने सीधे तौर पर किसी को जिम्मेदार नहीं माना है. रक्ळ के जांच में कई सवाल खड़े हो गए हैं जिनमें कहा जा रहा है कि बिना जिम्मेदारी के कई लोग अहम भूमिका निभा रहे थे.

राम मंदिर में चढ़ावे और व्यवस्था को लेकर उठे विवाद के बीच समाजवादी पार्टी के नेता पवन पांडेय ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि राम मंदिर की व्यवस्था को लेकर अंतिम फैसला राजनीतिक लोगों या सरकारी अधिकारियों को नहीं, बल्कि सनातन धर्म के शीर्ष धर्मगुरुओं और अयोध्या के संत-महंतों को करना चाहिए. पवन पांडेय ने सुझाव दिया कि देश के प्रमुख शंकराचार्यों और अयोध्या के संत-महंतों की एक बैठक बुलाई जाए. इस बैठक में जो भी निर्णय लिया जाए, राम मंदिर की पूरी व्यवस्था उसी के अनुसार संचालित हो. उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की भूमिका केवल सहयोग और निगरानी तक सीमित रहनी चाहिए. सपा नेता के मुताबिक, राम मंदिर आस्था का विषय है और इससे जुड़े फैसले धार्मिक परंपराओं तथा संत समाज की सहमति से होने चाहिए. उन्होंने कहा कि मंदिर के संचालन और प्रबंधन को लेकर वही व्यवस्था लागू की जाए, जिस पर शंकराचार्यों और अयोध्या के संत-महंतों की सहमति बने.

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की राशि को लेकर उठे सवालों की जांच के दौरान एसआईटी टीम के हाथ कई अहम जानकारियां लगी हैं. जांच में दानपात्रों की खरीद, रखरखाव और उनकी निगरानी व्यवस्था से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आई हैं. मामले की पारदर्शी जांच के लिए पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है. बताया जा रहा है कि मंदिर परिसर और मुख्य मंदिर में करीब 40 दानपात्र स्थापित हैं, जिनसे निकाली गई दानराशि को विशेष बक्सों में सुरक्षित रखकर काउंटिंग हॉल तक पहुंचाया जाता है. अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि व्यवस्था में कहां और कैसे लापरवाही हुई.

### राम मंदिर के दान चोरी पर बोले अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा कि अयोध्या राम मंदिर से करोड़ों की चोरी. अभी तक कोई ऋक्ष्क्र दर्ज नहीं. इस मामले में बड़े बड़े नाम शामिल. अगर कार्यवाही हुई तो सरकार तक गिर सकती है. आखिर किसे बचाना जरूरी है सरकार को या करोड़ों लोगों के आस्था को.

अयोध्या राम मंदिर चंदे को लेकर विवाद पर विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि राम मंदिर में 65 करोड़ लोगों ने पैसा दिया था. चढ़ावे के एक-एक रुपये के हिसाब के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र जवाबदेह है. इन आरोपों से देश भर में आस्था को जो चोट लगी है, मैं उसे उचित मानता हूँ. मुझे इस बात का संतोष है कि आरोप लगते ही ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री जी से कहा इसकी रक्ळ जांच कराएं. हम चाहेंगे जांच पूरी गहराई से .हो किसी के प्रति सहानुभूति रख कर ना हो. दोषी चिन्हित होने चाहिए. उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए चाहे वो जो भी हो. रिपोर्ट का इन्तजार करना चाहिए. बिना परिणाम के हम किसी पर कीचड़ नहीं उछालेंगे.

सूत्रों के मुताबिक, जांच में पता चला है कि कई नियुक्तियां बिना किसी पूरी स्क्रीनिंग प्रक्रिया के की गई हो सकती हैं. रक्ळ इस बात की जांच कर रही है कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्टाफ की जरूरतें कैसे बढ़ीं, भर्ती के लिए क्या प्रक्रियाएं अपनाई गईं और नियुक्तियों से जुड़े रिकॉर्ड कैसे रखे गए। ट्रस्ट ऑफिस ने कई अहम दस्तावेज सौंपे हैं और अभी उनकी समीक्षा की जा रही है. किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की भूमिका के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक नतीजा घोषित नहीं किया गया है. पयोग की जांच कर रही तीन सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है. अब इसमें जनवरी 2024 में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद मंदिर में की गई नियुक्तियां, सुरक्षा इंतजाम और प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी शामिल हैं. सूत्रों के मुताबिक, SIT अब अपनी जांच को सिर्फ.दान के पैसे के कथित गलत इस्तेमाल तक सीमित नहीं रख रही है. बल्कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अंदर भर्ती प्रक्रियाओं, रिकॉर्ड रखने के तरीकों और फैसले लेने की प्रक्रियाओं की भी जांच कर रही है. खबर है कि ट्रस्ट के अधिकारियों द्वारा की गई अलग-अलग नियुक्तियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई है. साथ ही मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों और स्टाफ सदस्यों के बारे में भी विस्तृत जानकारी मांगी गई है. अभी राम मंदिर में अलग-अलग कामों के लिए करीब 800 कर्मचारी लगे हुए हैं. इनमें से लगभग 200 को सीधे ट्रस्ट ने नियुक्त किया है. प्राइवेट एजेंसियों के कर्मचारी लॉकर सुविधा, सुरक्षा सेवा, जूता-चप्पल रखने के काउंटर और साफ-सफाई का काम संभालते हैं. यज्ञ स्थल पर तैनात वॉलंटियर और सैलरी पाने वाले स्टाफ, तीर्थयात्री सुविधा केंद्रों, सर्विस सेंटरों, पास जारी करने वाले काउंटरों और अकाउंट्स ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ मंदिर के पुजारियों को भी ट्रस्ट ने ही नियुक्त किया है. राम मंदिर के चढ़ावे से हुई चोरी के सबूत एसआइटी को मिल गए हैं. टीम आज या कल में सीएम योगी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप सकती है. एसआइटी की टीम बीते शनिवार की रात को अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई थी.

राम मंदिर दान पत्र में कथित गबन मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम कल देर रात अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई. रक्ळ आज सीएम योगी को जांच रिपोर्ट सौंप सकती है. स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के सहयोगी लगभग 20 सदस्य अभी भी राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद हैं. सदस्य पल-पल की जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं और अभी भी राम मंदिर परिसर में जांच कर रहे हैं. बीते शनिवार को भी राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव से पूछताछ हुई थी. लगभग तीन घंटे तक बंद कमरे में वीडियोग्राफी के बीच पूछताछ हुई थी. सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की जांच रिपोर्ट कुल 140 पन्नों की है. दान गबन मामले पर कई लोगों पर गिर सकती है गाज. कई सेवादारों की हो सकती है छुट्टी.

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित चंदा गबन मामले को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा मुखिया अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव और उनका परिवार राम द्रोही है. अखिलेश यादव श्री राम जन्मभूमि के मामले में कोई टिप्पणी न करें. पूरे मामले की तीन सदस्यीय एसआईटी जांच कर रही है. उन्होंने कहा है कि जांच का जो भी निष्कर्ष निकलेगा. दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

राम मंदिर मामले पर मंत्री संजय निषाद ने कहा कि धार्मिक संस्थाओं के नाम पर जनता के विश्वास के साथ खिलवाड़ व धोखाधड़ी करने पर सख्त कानून बनना चाहिए. राम मंदिर मामले में मुख्यमंत्री जी ने संज्ञान लेकर जांच शुरू कराई है. लोकतंत्र में जांच एक महत्वपूर्ण और संवैधानिक प्रक्रिया है. जांच के बाद दोषियों को सख्त सजा मिलेगी. ट्रस्ट का मतलब ही विश्वास होता है चाहे वह मंदिर हो ,मस्जिद हो या चर्च.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर अयोध्या पहुंचे. राम की पैड़ी पर आयोजित योग कार्यक्रम में भाग लिया. कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में राम मंदिर के कथित दान घोटाले पर कहा कि मामले की एसआईटी कर रही है जांच. दिलाया भरोसा दान की पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा. जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी. राठौर ने कहा कि राम मंदिर निर्माण के लिए लाखों लोगों ने संघर्ष और बलिदान दिया. उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा गंभीर विषय. मंत्री ने माना कि बैंक कर्मियों और गणना कर्मियों को गड़बड़ी करने का अवसर मिला. उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट को भी अधिक सजग और सतर्क रहना चाहिए था ताकि ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो. कैश-गिनती के रिकॉर्ड और बैंकिंग दस्तावेजों की भी समीक्षा की, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (रडढ) का पालन किया गया था और क्या प्रक्रिया के किसी भी चरण में कोई हेरफेर हुई थी.

# श्रीलंका के दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में इंडिया-ए ने जीता ट्राई-सीरीज का खिताब, श्रीलंका-ए को 66 रन से हराकर दिखाया दम

(जीएनएस)।

श्रीलंका के दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए ट्राई-नेशन सीरीज के हाई-स्कोरिंग फाइनल मुकाबले में इंडिया-ए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान श्रीलंका-ए को 66 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही भारतीय युवा ब्रिगेड ने ट्राई-सीरीज की चमचमाती ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया-ए ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 377 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में बड़े लक्ष्य के दबाव के आगे श्रीलंकाई टीम बिखर गई और भारतीय गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के सामने लक्ष्य से दूर रह गई।

इंडिया-ए ने पूरे 50 ओवर बल्लेबाजी की, लेकिन मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट शुरूआती 9 ओवर रहे। 15 वर्षीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई गेंदबाजों पर ऐसा विनाशकारी हमला बोला कि भारत ने महज 8.5 ओवर में ही 132 रन बोर्ड

पर टांग दिए थे। वैभव ने महज 11 गेंदों में लिस्ट-ए क्रिकेट इतिहास की सबसे तेज फिफ्टी जड़ी। वे केवल 29 गेंदों में 94 रन (10 चौके, 8 छक्के, स्ट्राइक रेट 324.13) बनाकर आउट हुए। उनके इस प्लेटफॉर्म के कारण बाकी बल्लेबाजों ने सहजता से खेलते हुए स्कोर 377 तक पहुंचाया।

### कप्तान तिलक वर्मा की कप्तानी पारी

वैभव के आउट होने के बाद रनों की गति थोड़ी धीमी जरूर हुई, लेकिन कप्तान तिलक वर्मा ने एक छोर संभाले रखा। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम (आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स दौरे) में जगह बनाने वाले तिलक ने फाइनल की गंभीरता को समझते हुए 90 गेंदों में सूझबूझ भरी 67 रनों की पारी खेली, जिसने मिडिल ऑर्डर को बिखरने से बचाया।

### विवादों के बाद बल्ले से दिया जवाब

यह टूनामेंट वैभव सूर्यवंशी के लिए खेल से ज्यादा उनके व्यवहार के कारण चर्चा में था। पिछले मैच में सुपर ओवर में मिली हार के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों से उकसावे में आकर वैभव मैदान पर भिड़ गए थे और विपक्षी खिलाड़ी को धक्का दे दिया था। इस घटना के बाद उन पर काफी सवाल उठे थे। लेकिन फाइनल में उन्होंने अपनी आक्रामकता को सही दिशा में मोड़ते हुए बल्ले से करारा जवाब दिया।

### गेंदबाजों ने पूरी की कसर, 66 रनों से जीता मैच

377 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका-ए की शुरूआत अच्छी नहीं रही। भारतीय तेज गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से मेजबान बल्लेबाजों को बांध कर रखा और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। पहले 9 ओवरों में बनी मानसिक बढ़त का भारतीय स्पिनर्स ने भी पूरा फायदा उठाया और श्रीलंका-ए को मैच से पूरी तरह बाहर कर 66 रनों की शानदार खिताबी जीत सुनिश्चित की।

# जाह्नवी कपूर एक्स सीएम की बहू बनने जा रही हैं श्रीदेवी की बेटी!

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर लंबे वक्त से शिखर पहाड़िया संग अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं, हाल ही में सोशल मीडिया पर उनकी एक तस्वीर वायरल हुई है, जिसमें लिखा है कि 'अगर मैं खो जाऊं, तो प्लीज मुझे शिखर पहाड़िया के पास वापस पहुंचा दें।' जिसके बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया कि जाह्नवी और शिखर का रिश्ता अब पक्का हो गया है।

जाह्नवी कपूर का अपने प्यार को प्रदर्शित करने का यह मजाकिया और मासूम अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड भी कर रहा है। अभिनेत्री के इस अंदाज को देखकर फैंस अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई फैंस ने दोनों के क्यूट रिलेशनशिप की तारीफ की है तो वहीं कुछ लोग शादी की डेट भी पूछ रहे हैं।

एक प्रशंसक ने कमेंट करते हुए लिखा कि 'यह प्यार जताने का बेहद खूबसूरत और नया तरीका है', वहीं दूसरे यूजर ने लिखा कि 'दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएं तो अच्छा होगा।'

### 'शिखू' नाम का पेंडेंट पहना था

वैसे यह पहला मौका नहीं है जब जाह्नवी कपूर ने शिखर पहाड़िया के लिए अपना प्यार इस तरह सरेआम दिखाया हो। इससे पहले भी वह एक बड़े फिल्म इवेंट के दौरान अपने गले में 'शिखू' नाम का पेंडेंट पहने हुए नजर आई थीं। उस समय भी इस पेंडेंट की तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थीं।

### कौन हैं शिखर पहाड़िया?

शिखर पहाड़िया के बारे में जो लोग अधिक नहीं जानते, उन्हें बता दें कि शिखर पहाड़िया एक भारतीय बिजनेसमैन और पोलो खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 3 अप्रैल 1997 को मुंबई में हुआ था। वे भारत के पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं। शिखर पहाड़िया के पिता का नाम संजय पहाड़िया और मां का नाम स्मृति शिंदे है, उनके भाई का नाम वीर पहाड़िया है जो कि जाने-माने बॉलीवुड अभिनेता हैं।

### शिखर पहाड़िया मेरा सपोर्ट सिस्टम है: जाह्नवी कपूर

हाल के इंटरव्यू में जाह्नवी ने शिखर को अपना "सपोर्ट सिस्टम" बताया था। उन्होंने कहा था कि 'शिखर के साथ उन्हें जज किए जाने का डर नहीं लगता और वे उनके जीवन के सबसे करीबी लोगों में से एक हैं।' मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच कॉलेज के दिनों से ही दोस्ती है, जो बाद में प्यार में बदल गई। बीच में कुछ वक्त के लिए उनके अलग होने की खबरें भी आई थीं, लेकिन बाद में दोनों के बीच सब ठीक हो गया।

### जाह्नवी कपूर कौन हैं?

जाह्नवी कपूर हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय युवा अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 6 मार्च 1997 को मुंबई में हुआ था। वह दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और फिल्म निमार्ता बोनी कपूर की बड़ी बेटी हैं। उनकी छोटी बहन खुशी भी अभिनेत्री हैं।

### फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया

जाह्नवी कपूर ने साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और उन्हें एक नई स्टार के रूप में पहचान मिली।

# वैभव का वो अजूबा जो पहले कभी नहीं हुआ! फाइनल में हुआ करिश्मा?

(जीएनएस)।

श्रीलंका के दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए ट्राई-नेशन सीरीज के फाइनल मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी (ड्ढ५ रङ्क१८५ल्लर्ङ) ने अपने बल्ले से ऐसा कोहराम मचाया है, जिसने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। श्रीलंका-ए के खिलाफ खिताबी मुकाबले में ओपनिंग करने उतरे इस बल्लेबाज ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की इस बेरहमी से धुनाई की कि मैच के शुरूआती ओवरों में भारत का 'प्रोजेक्टेड स्कोर' (अनुमानित कुल स्कोर) टीवी स्क्रीन पर अविश्वसनीय रूप से 950 रन फ्लैश होने लगा।

लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

दांबुला की पिच पर कदम रखते ही वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई आक्रमण को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। वैभव ने मैदान के चारों कोनों में चौके-छक्कों की बरसात करते हुए मात्र 11 गेंदों में अपनी हाफ सेंचुरी (50 रन) पूरी कर ली। यह विश्व क्रिकेट में लिस्ट-ए (घरेलू वनडे) इतिहास की अब तक की सबसे तेज फिफ्टी है। वैभव के इस आक्रामक रुख के कारण इंडिया-ए ने शुरूआती 4 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 76 रन बोर्ड पर टांग दिए थे, जिसमें से अकेले वैभव ने 12 गेंदों में 54 रन ठोक दिए थे। इसी विध्वंसक रन रेट को देखकर ब्रॉडकास्टर्स के ग्राफिक्स ने भारत का अनुमानित स्कोर 950 रन दिखाया था।

88 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए, स्लेजिंग का दिया करारा जवाब

वैभव सूर्यवंशी की यह आतिशी पारी केवल एक रिकॉर्ड नहीं थी, बल्कि इसमें उनके जुझारूपन और 'रिटैलिएशन' (जवाब देने की क्षमता) का फैक्ट भी छिपा था। दरअसल, इसी ट्राई-सीरीज के पिछले मैचों के दौरान श्रीलंकाई खिलाड़ियों और वैभव के बीच मैदान पर तीखी बहस (स्लेजिंग) हुई थी। क्रिकेट फैंस ने वैभव की इस पारी को उस बदतमीजी का बल्ले से दिया गया सबसे सटीक और कड़ा जवाब माना।

दुनिया भर में फैली बिहार के लाल की गूंज

हालांकि, वैभव अपने इस ऐतिहासिक शतक से महज 6 रन दूर रह गए और श्रीलंकाई कप्तान सहान अराचिगे की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने मात्र 29 गेंदों में 94 रनों की दिलकश पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। यानी उनके 94 रनों में से 88 रन सिर्फ चौकों और छक्कों के जरिए आए थे।

फ्रीड्डेल्लर्ीि ऋड्ड१ ड्ड४

वैभव सूर्यवंशी के सामने झुकी श्रीलंकाई टीम, 94 पर आउट होकर जाते समय थपथपाई पीठ, लड़ाई का किया अंत

वैभव सूर्यवंशी के सामने झुकी श्रीलंकाई टीम, 94 पर आउट होकर जाते समय थपथपाई पीठ, लड़ाई का किया अंत

एक दिवसीय (50 ओवर) फॉर्मेट के मैच में 324.14 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करना किसी करिश्मे से कम नहीं है। भले ही यह युवा खिलाड़ी अपने शतक से चूक गया हो, लेकिन इस ऐतिहासिक और रिकॉर्डतोड़ पारी ने उन्हें विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली और उभरते हुए युवा खिलाड़ियों की श्रेणी में सबसे आगे खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट के गलियारों तक, इस समय सिर्फ 15 साल के इस बिहारी लड़के के हौसले की गूंज है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

# सीएम योगी आदित्यनाथ के समर्थन में उतरे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद; अयोध्या मामले पर कहा, बहुत अच्छा

(जीएनएस)।

शामली: उत्तर प्रदेश के शामली में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब सीएम योगी आदित्यनाथ का समर्थन किया है। दरअसल, पिछले दिनों लगातार वे मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ बयान देते हैं। गोरक्षा के लिए लगातार यात्रा निकाल रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शामली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान अयोध्या राम मंदिर दान प्रकरण मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ के रुख का समर्थन किया। अयोध्या दान प्रकरण का मामला सामने आने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ पिछले दिनों अयोध्या दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने अपने मंच से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को अलग रखने का निर्णय लिया।

दरअसल, राम मंदिर दान गबन प्रकरण विवाद में चंपत राय पर आरोप लग रहे हैं। ट्रस्ट के अनुरोध पर योगी सरकार ने पूरे विवाद की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। तीन

सदस्यीय एसआईटी लगातार मामले की जांच कर रही है। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने अयोध्या दौरे के दौरान चंपत राय को मंच से अलग रखा तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती इसका समर्थन करते नजर आए। उन्होंने इसे एक अच्छा कदम करार दिया है।

शामली में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अयोध्या दौरे के दौरान चंपत राय को अपनी मीटिंग और अपने पास से दूर रखने का जो निर्णय लिया, वह बहुत अच्छा कदम है। हम इसके खुले दिल से प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस समय किसी व्यक्ति के ऊपर गड़बड़ी के दाग लगे हों, उस समय उसे अपने पास बैठाने का मतलब समाज में अलग जाता है। शंकराचार्य ने कहा कि सीएम योगी ने कम से कम इतना स्टैंड लिया, यह देखकर अच्छा लगा।

**दान विवाद पर भड़के**

शंकराचार्य राम मंदिर दान गबन विवाद पर नाराजगी जताते हुए दिखे। उन्होंने कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और राम मंदिर निर्माण समिति की ओर से घोटाले के आरोपों से इनकार किया जा रहा है। शंकराचार्य ने इस मामले पर तीखे सवाल किए। उन्होंने कहा कि अगर कोई गड़बड़ी नहीं हुई तो डीएम के जरिए एक संदेश क्यों दिलवाया जा रहा है कि संबंधित लोग बैठक में नहीं आएंगे। उनकी जगह प्रतिनिधियों को बैठक में भेजा रहा है।

सबूत मांगे जाने के मुद्दे पर शंकराचार्य ने सवाल किया कि गोबर से रुपये निकलना क्या सबूत नहीं है? मामले से जुड़े लोग पकड़े जा रहे हैं, क्या यह सबूत नहीं है। महीनों के सीसीटीवी फुटेज डिलिट हैं, क्या यह सबूत नहीं है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को नौकरी से निकाल दिया जाता है, अगर यह सबूत नहीं है तो फिर कौन सा सबूत होगा।

# अयोध्या में सड़क हादसे में बाराबंकी में तैनात उपनिरीक्षक सुरेंद्र प्रताप पटेलदारोगा की मौत, अंबेडकरनगर के गांव अटवाई में पसरा सन्नाटा

(जीएनएस)।

अंबेडकरनगर। बाराबंकी के असंद्रा थाने में तैनात पुलिस विभाग के उपनिरीक्षक सुरेंद्र प्रताप पटेल की मौत से उनके पैतृक गांव अहिरौली के अटवाई में मातम पसरा है। शाम को शव घर पहुंचा तो स्वजन फफक पड़े।

परिवार को सांत्वना देने के लिए शुभचिंतकों, रिश्तेदारों, आसपास के ग्रामीणों का जमावड़ा लगा है। अंतिम संस्कार अयोध्या के दिलासीगंज घाट पर किया गया। वहां पुलिसकर्मियों, स्वजन व ग्रामीणों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

शनिवार सुबह अयोध्या के रायबरेली हाईवे पर कुमारगंज के बरईपारा गांव के पास उपनिरीक्षक की बाइक सांड़ से टकरा गई। इससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

सुरेंद्र 2005 में आरक्षी पद पर भर्ती हुए थे। करीब दो वर्ष पहले पदोन्नति

पाकर उपनिरीक्षक बने थे। उनके एक पुत्र राज वर्मा व एक पुत्री अर्पिता उर्फ खुशी हैं।

पत्नी रिंकी देवी गृहणी हैं। बड़े भाई उदय प्रताप पटेल घर पर रहकर खेती-किसानी करते हैं। सुरेंद्र अयोध्या में मकान बनवाकर सपरिवार रहते थे। पैतृक गांव में चार-छह माह बाद आते थे। पैतृक गांव में इकलौते की मौत की खबर पहुंची तो परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनका इकलौता बेटा गुजरात के अहमदाबाद की एक दवा कंपनी में साक्षात्कार देकर सुबह ही घर पहुंचा था। जुलाई में उसकी ज्वाइनिंग है। बेटी अयोध्या में स्नातक की पढ़ाई कर रही है।

**जुलाई में घर का निर्माण कराने की थी इच्छा**

पैतृक गांव में गत वर्ष उन्होंने मकान बनवाना शुरू किया था। पोर्च आदि का निर्माण अभी अधूरा है। गत जनवरी में भाई उदय प्रताप से कहकर गए थे कि तैयारी पूरी रखना, जुलाई में घर निर्माण पूरा करना है। उनकी यही बात कहकर उदय प्रताप दहाड़े मारकर बेहोश हो गए। उनका बेटा राज वर्मा पिता को नौकरी की खुशखबरी नहीं बता सका। घर के निर्माण एवं बेटे व बेटी की धूमधाम से शादी करने का सपना पूरा नहीं हो सका।

# लखनऊः जमीन कम मिली तो पिता को फावड़े से मार डाला... पुलिस के सामने बोला- गुस्से में कर दिया था वार

(जीएनएस)।

लखनऊ के महिगवां इलाके में एक बेटे ने अपने पिता को बेरहमी से मार डाला। ये मामला जमीन विवाद से जुड़ा है, जिसमें बंटवारे को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद हो गया था. फिलहाल पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है.

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सनसनीखेज कहानी सामने आई है। यहां बेटे ने जमीन विवाद को लेकर अपने पिता की बेरहमी से हत्या कर दी. वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है.

दरअसल, यह मामला लखनऊ के महिगवां थाना क्षेत्र का है. पुलिस का कहना है कि ग्राम अतरौरा के रहने वाले विनोद कुमार उर्फ महेन्द्र का अपने पिता रामकुमार के साथ खेत में हिस्सेदारी कम मिलने और मेड़ बनाने-बिगाड़ने को लेकर विवाद हो

गया था. कहासुनी के बीच मामला हिंसक हो गया.

गुस्से में आकर विनोद ने फावड़े से पिता के सिर पर वार कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े. इसके बाद परिजन घायल हालत में रामकुमार को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया. वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया.

इस वारदात के बारे में सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और जानकारी ली. मृतक की बेटी मालती देवी की तहरीर पर थाना महिगवां में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया गया. पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की. मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बीकेटी-पहाड़पुर रोड स्थित देवरी रुखारा नहर पुलिया के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया फावड़ा भी बरामद कर लिया है. पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया है. उसने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसने गुस्से में आकर अपने पिता पर फावड़े से हमला कर दिया था. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है. परिजनों व आसपास के लोगों से घटना को लेकर पूछताछ की जा रही है.

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रकुल प्रीत एक्ट्रेस ने हिमालयन योग गुरू के साथ कठिन योगा करके किया हैरान, कौन हैं सिद्धा अक्षर?

(जीएनएस)।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देश-विदेश में योगा की धूम नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर पीएम मोदी से लेकर आम इंसान तक योगा करते हुए नजर आ रहे हैं। इन सबके बीच बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है।

फिटनेस के प्रति बेहद सजग रहने वाली रकुल को हाल ही में प्रसिद्ध योग गुरु हिमालयन सिद्धा अक्षर के मार्गदर्शन में एक कठिन योग मुद्रा करते हुए नजर आ रही हैं। जिसके बाद एवं ट्रेस रकुल प्रीत के साथ हिमालय योगा गुरु भी जमकर ट्रेंड कर रहे हैं?

दरअसल, एक्ट्रेस रकुल प्रीत योगा दिवस के मौके पर योग गुरु सिद्धा अक्षर के साथ कुछ मुश्किल योगासन करती नजर आ रही हैं। सबसे खास बात ये रही कि उन्होंने पूरे बैलेंस, फोकस और फ्लेक्सिबिलिटी के साथ इसे आसानी से कर दिखाया। यही

वजह है कि लोग उनकी फिटनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

**योग सिर्फ ट्रेंड नहीं, लाइफस्टाइल बन रहा है**

आज के टाइम में योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं रहा, बल्कि लाइफस्टाइल बन चुका है। खासकर यंग जनरेशन अब समझ रही है कि सिर्फ जिम या डाइट से नहीं, बल्कि मेंटल हेल्थ और बॉडी बैलेंस दोनों जरूरी हैं। रकुल प्रीत जैसी सेलिब्रिटी भी इसी वजह से योग को अपने रूटीन का हिस्सा बनाती हैं।

**योग डे पर 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्लान**

ये पूरा सेशन ऐसे समय पर हुआ है जब पूरी दुनिया योग डे की तैयारी कर रही है। इसी बीच हिमालयन सिद्धा अक्षर एक बड़ा मिशन शुरू किया हैं। वो एक ही दिन में 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करने वाले हैं। उनका मकसद सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को योग से जोड़ना है।

**कौन हैं हिमालयन सिद्धा अक्षर?**

हिमालयन सिद्धा अक्षर एक भारतीय योग गुरु, स्पिरिचुअल टीचर और लेखक हैं। ये योग ट्रेनिंग, वर्कशॉप और ऑनलाइन क्लासेस चलाते हैं। इनका फोकस योग को मॉडर्न लाइफस्टाइल से जोड़कर आसान तरीके से सिखाना है। बड़े-बड़े योग इवेंट्स और वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से जुड़े रहे हैं। कई देशों में योग और वेलनेस सेशन कर चुके हैं। फिटनेस और माइंडफुलनेस को प्रमोट करते हैं

योग का असली मतलब क्या है? हिमालयन सिद्धा अक्षर के मुताबिक योग सिर्फ कठिन पोज या शरीर मोड़ने की चीज नहीं है। असल में ये सांस, माइंड और बॉडी को कंट्रोल करने का तरीका है। यानी स्ट्रेस कम करना, फोकस बढ़ाना और खुद को शांत रखना।

**फिटनेस में योग क्यों जरूरी है?**

हिमालयन सिद्धा अक्षर का कहना है कि सिर्फ वर्कआउट या वेट ट्रेनिंग काफी नहीं है। बॉडी को अंदर से मजबूत और फ्लेक्सिबल बनाने के लिए योग बहुत जरूरी है। इसलिए वह बिजी शूटिंग शेड्यूल के बावजूद योग को टाइम देती हैं।

**सही गाइड होना क्यों जरूरी है?**

हिमालयन सिद्धा अक्षर ने कहा, कई लोग बिना ट्रेनिंग के मुश्किल योगासन ट्राय करते हैं और चोट लगा लेते हैं।

इस सेशन में रकुल ने जो आसान तरीके से पोज किए, वो इसलिए संभव हुआ क्योंकि उनके साथ एक्सपीरियंस्ड गुरु थे। सही गाइडेंस होने से चीजें सेफ और आसान हो जाती हैं।

# लखनऊ के गोमती तट पर मना योग दिवस, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण

**अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश एवं जिला गंगा समिति, लखनऊ द्वारा गौ घाट, गोमती नदी तट पर भव्य योग कार्यक्रम, वृक्षारोपण अभियान एवं युवा गोमती मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया**

(जीएनएस)।

लखनऊः अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश एवं जिला गंगा समिति, लखनऊ द्वारा गौ घाट, गोमती नदी तट पर भव्य योग कार्यक्रम, वृक्षारोपण अभियान एवं युवा गोमती मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम का आयोजन जोगिंदर सिंह, आईएएस, परियोजना निदेशक, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश तथा सितांशु पाण्डेय, आईएफएस, प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों, पर्यावरण प्रेमियों एवं गोमती संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।

**पौधों का रोपण किया गया**

कार्यक्रम के प्रारंभ में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत गोमती नदी के तट पर विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने

तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष एवं नदियां मानव जीवन के आधार हैं तथा इनके संरक्षण के बिना सतत विकास की कल्पना संभव नहीं है।

**यह लोग रहे मौजूद**

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सौरभ वाल्मीकि, नगर उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी एवं रामअवतार कनौजिया, पूर्व महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी रहे। विशिष्ट अतिथियों में दयाशंकर पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, प्रमोद सिंह, मंडल प्रभारी तथा ऋतेश कनौजिया, मंडल उपाध्यक्ष उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने योग एवं पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने पर बल दिया तथा गोमती नदी के संरक्षण के लिए चलाए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इसके उपरांत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। योग सत्र के दौरान "योग फॉर हेल्दी एजिंग" की थीम के अनुरूप स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण का संदेश दिया गया।

**शुभकामनाएं दी**

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण गोमती नदी के संरक्षण, जन-जागरूकता, पर्यावरण शिक्षा एवं सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं को "युवा गोमती मित्र सम्मान" प्रदान करना रहा। इस अवसर पर शिवम त्रिपाठी, परेश पाण्डेय, दीपक, उत्कर्ष सिंह चौहान एवं सौम्या सिंह को सम्मानित किया गया। इन युवाओं द्वारा नदी संरक्षण, जन-जागरूकता, पर्यावरण शिक्षा, स्वच्छता अभियान तथा सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में भी समाज को प्रेरित करने के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम में राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश से सोनालिका सिंह, यूनिट हेड (ड&ड, मिथलेश मिश्रा, यूनिट हेड (ड&ड),शैव्या सिंह एवं प्रिया अग्रवाल उपस्थित रहीं। जिला गंगा समिति, लखनऊ से शिवांग वर्मा, जिला परियोजना अधिकारी (डहड) सहित विभिन्न पर्यावरणविदों, शिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। इसके अतिरिक्त प्रकाश बाल विद्या मंदिर एवं बाल निकुंज इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया तथा नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

**गंगा कथा का आयोजन**

समापन सत्र में गंगा एवं भारतीय संस्कृति के अटूट संबंधों पर आधारित गंगा कथा का आयोजन किया गया, जिसमें नदियों के संरक्षण, जल संवर्धन एवं प्रकृति के प्रति दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों को गंगा संरक्षण शपथ दिलाई गई, जिसमें स्वच्छता बनाए रखने, नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने, जल संरक्षण करने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश एवं जिला गंगा समिति, लखनऊ द्वारा गोमती नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए इसे जनभागीदारी आधारित अभियान के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

# यूपी में हीटवेव का कहर जारी, लखनऊ समेत 14 जिलों में अलर्ट, जानिए कब मिलेगी गर्मी से राहत?

(जीएनएस)।

पश्चिम उत्तर प्रदेश में शनिवार (20 जून) को बारिश होने की संभावना जताई गई है। राजधानी के सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी में हीटवेव की आशंका है। जिससे लोगों की परेशानी बढ़ सकती है। यूपी में हीटवेव का कहर जारी, लखनऊ समेत 14 जिलों में अलर्ट, जानिए कब मिलेगी गर्मी से राहत?

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर जारी है। उमस और चिलचिलाती धूप ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में मौसम विभाग द्वारा 23 जून से बारिश

का अलर्ट जारी किया गया है. पश्चिम उत्तर प्रदेश में शनिवार (20 जून) को बारिश होने की संभावना जताई गई है।

राजधानी के सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी में हीटवेव की आशंका है। जिससे लोगों की परेशानी बढ़ सकती है. इसके अलावा रामपुर, संभल, बरेली बिजनौर, अमेठी. गाजीपुर, जौनपुर, पीलीभीत, हरदोई, गोंडा, बहराइच, प्रतापगढ़, उन्नाव और प्रयागराज में भयंकर गर्मी देखने को मिलेगी.

इसके अलावा पूर्वी यूपी में 24 जून को बारिश होने का अनुमान लगाया गया है. वहीं यूपी से सटे उत्तराखंड के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है. कई जगहों पर ओलावृष्टि होने का अनुमान है. फिलहाल यूपी, उत्तराखंड में बारिश का ये दौर 25 जून तक जारी रहने की संभावना है.

**उत्तर प्रदेश में आज का मौसम**

उत्तर प्रदेश में आज तापमान सामान्य रहने की संभावना है. सुबह 6 बजे तापमान 32 डिग्री के करीब बना हुआ है. कड़ी धूप के साथ लोगों का गर्मी से बुरा हाल रहेगा. मौसम में 58 प्रतिशत नमी रहेगी. राज्य में 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की उम्मीद है.

# यूपी में आठवें वेतन आयोग को लेकर हलचल तेज, टीम का लखनऊ दौरा अहम; कर्मचारी संगठन क्यों हुआ नाराज

(जीएनएस)।

यूपी में आठवें वेतन आयोग को लेकर हलचल तेज हो गई है। केंद्र सरकार की ओर से गठित टीम का लखनऊ दौरा 22 और 23 जून को होने वाला है।

लखनऊः केंद्र-राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स को किस तरह से आठवें वेतन आयोग का लाभ कब तक मिलेगा, इसको लेकर तैयारियां तेज हो

गई हैं। केंद्र सरकार की ओर से गठित 8वें वेतन आयोग की एक उच्चस्तरीय टीम 22 और 23 जून को राजधानी लखनऊ का दौरा करने जा रही है। दो दिवसीय इस दौरे के दौरान आयोग की टीम राज्य के विभिन्न कर्मचारी संगठनों, शिक्षक यूनियनों और वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मैराथन बैठकें करेगी। इस महत्वपूर्ण बैठक का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करना और उनकी मांगों एवं सुझावों पर सीधे फीडबैक लेना है।

8वें वेतन आयोग की एक उच्चस्तरीय टीम इन बैठकों के आधार पर ही अपनी रिपोर्ट देगा। इसके अनुसार केंद्रीय एवं राज्य कर्मचारियों के वेतन और पेंशनर्स की पेंशन में बढ़ोतरी की जाएगी। आमतौर पर राज्यों में दौरे के एक से दो साल के भीतर कर्मचारियों को वेतन बढ़ोतरी का लाभ मिलता है।

**सरकार-कर्मचारी संगठनों के साथ मंथन**

आठवें वेतन आयोग के लखनऊ दौरे में टीम राज्य सरकार के विभिन्न संगठनों से मुलाकात करेगी। इस दौरान प्रस्तुतिकरण भी टीम के सामने रखा जाएगा। इसके बाद ऑल इंडिया सर्विसेज के अधिकारियों की यूनियन के साथ बैठक की जाएगी। साथ ही पेंशनर्स के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं और समाधान पर मंथन होगा। इसके अलावा डिफेंस, राजस्व, रेलवे, स्वास्थ्य, दूरसंचार विभाग की यूनियनों के साथ भी चर्चा होगी।

**वेतन विसंगतियों के मुद्दे पर चर्चा**

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने कहा कि राज्य कर्मचारियों के बीच वेतन विसंगतियों के कई मामले हैं। राज्य सरकार में कई ऐसे पद हैं, जो केंद्र में नहीं हैं। ऐसे में वेतन आयोग की सिफारिशें जब लागू होती हैं, तो वेतन विसंगतियां सामने आती हैं। अब भी बार-बार चर्चा के बाद भी वेतन विसंगतियां दूर नहीं हो पाई हैं। ऐसे में राज्य कर्मचारी संगठनों के साथ चर्चा के आठवें वेतन आयोग की टीम को बातचीत करनी चाहिए।

**राज्य कर्मचारी हुए नाराज**

राज्य कर्मचारियों के विभिन्न संगठन आठवें वेतन आयोग के लखनऊ दौरे पर विरोध करेंगे। इसके पीछे एक बड़ी वजह यह है कि वेतन आयोग की टीम राज्य कर्मचारियों के संगठनों से मुलाकात नहीं करेगी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने बताया कि जो टीम आ रही है, उसने कहा है कि वो सिर्फ केंद्रीय कर्मचारियों के संगठन एवं पेंशनर्स से मुलाकात करेंगे। इस पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने विरोध जताया है।

**सातवें वेतन आयोग में कितनी बढ़ी सैलरी**

सातवें वेतन आयोग में केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में औसतन 14.29 फीसदी की वृद्धि हुई थी। इसके अलावा, फिटमेंट फैक्टर को 2.57 गुना किया गया था, जिसके आधार पर मूल वेतन में सीधी बढ़ोतरी की गई। एंट्री लेवल कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 7000 से बढ़ाकर 18,000 रुपये प्रति माह किया गया था।

# काशी में बनेगा लखनऊ जैसा घड़ियाल प्रजनन केंद्र; 6000 घड़ियालों के कुनबे को किया जाएगा तैयार

**घड़ियाल एक ऐसा जीव है जिसे स्वच्छता का जीव माना जाता है. यह नदियों को साफ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.**

(जीएनएस)।

वाराणसीः यूपी के वाराणसी में अब घड़ियालों का कुनबा तैयार किया जाएगा. वाराणसी वन विभाग की ओर से नए प्रोजेक्ट की शुरूआत होने जा रही है, जिसके तहत घड़ियालों को सुरक्षित रखा जाएगा. बता दें की लखनऊ में कुकरेल में घड़ियाल प्रजनन केंद्र है और उसी के तर्ज पर वाराणसी में भी अब इनके प्रजनन का केंद्र संचालित किया जाएगा, जहां पर लगभग 6000 घड़ियालों के कुनबे को तैयार किया जाएगा. इसका बड़ा उद्देश्य घड़ियाल को संरक्षित रखना है.

घड़ियाल एक ऐसा जीव है जिसे स्वच्छता का जीव माना जाता है. यह नदियों को साफ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन समय के साथ इसकी संख्या कम होती जा रही है. गंगा नदी में पाया जाने वाला यह जीव धीरे-धीरे कम हो रहा है. ऐसे में सरकार की ओर से लगातार इनकी संख्या को बढ़ाया जा रहा है और इसी के क्रम में घड़ियाल का प्रजनन केंद्र तैयार होने वाला है, जहां पर उनके बाड़े बनाए जाएंगे और उनमें घड़ियालों की नई पीढ़ी को सुरक्षित

रखा जाएगा.

काशी में तैयार होगा घड़ियालों का कुनबाः वाराणसी वृत्त के वन संरक्षक डॉ. रवि कुमार सिंह ने बताया कि वाराणसी डीएफओ के जरिए एक प्रोजेक्ट भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कराया गया है, जिसमें घड़ियाल के प्रजनन केंद्र को शुरू किया जाएगा. सरकार की ओर से इसका अनुमोदन मिल गया है. शीघ्र ही हम लोग इस पर काम करेंगे.

उन्होंने बताया कि जिस तरीके से लखनऊ के कुकरैल में घड़ियाल का प्रजनन केंद्र है, वैसे ही केंद्र यहां भी शुरू किया जाएगा. प्रोजेक्ट अभी शुरूआती दौर में है जल्द ही इसे साकार रूप में परिवर्तित किया जाएगा. अभी हम उनके बाड़ो, भूमि के आकार को निर्धारित कर रहे हैं. जल्द ही यह कार्य शुरू हो जाएगा.

काशी में बनेगा लखनऊ जैसा घड़ियाल प्रजनन केंद्र

गंगा और चंबल में पाए जाते हैं घड़ियालः उन्होंने बताया कि केंद्र में लगभग 6000 संख्या में घड़ियालों को सुरक्षित रखा जाएगा. घड़ियाल हमेशा गंगा और चंबल में पाए जाने वाले मगरमच्छ की एक प्रजाति है, जो केवल भारत देश में ही पाई जाती है. सबसे अच्छी बात यह है कि यह वो प्रजाति है जो नदी में रहते हुए नदी को स्वच्छ रखती और केवल मछली के ऊपर ही आधारित होती है.

यह कभी किसी मानवी अन्य जानवर को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं. ऐसे में घड़ियाल हमारी एक विरासत है और उसको संरक्षित रखना जरूरी है.ये स्वच्छता में बड़ा योगदान देता है. उनके रहने से हमारे नदियों की स्वच्छता बनी है और इसके साथ ही जो हमारे पर्यावरण की स्थिति है उनकी उसमें भी ये सहयोग देते है.

बताते चलें कि लखनऊ और इटावा के बाद अब सारनाथ के कछुआ प्रजनन एवं पुनर्वास केंद्र में घड़ियाल की इस नई पीढ़ी को तैयार करने की योजना है. वर्तमान में सारनाथ मिनीजू में तीन मादा घड़ियाल है. यहां घड़ियालों की संख्या को बढ़ाने के लिए ही ब्रीडिंग सेंटर को खोलने की योजना बनाई गई है. यहां पर अंडे भी रखे जाएंगे.

# लखनऊ में साल का आज सबसे लंबा दिन 13 घंटे 50 मिनट का, ग्रीष्म संक्रांति और योग दिवस का संगम

**लखनऊ में इस साल का सबसे बड़ा दिन 13 घंटे 50 मिनट का होगा, जिसे ग्रीष्म संक्रांति कहते हैं। यह खगोलीय घटना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के साथ मनाई जाती है, .**

(जीएनएस)।

लखनऊ। बढ़ती गर्मी और तपिश के बीच रविवार का दिन इस साल का सबसे बड़ा दिन होगा। खगोलीय और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। यह दिन उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे ग्रीष्म संक्रांति कहा जाता है।

इसी दिन पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया जाता है। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि इस दिन पृथ्वी

अपनी धुरी पर सीधी नहीं, बल्कि लगभग 23.5 डिग्री झुकाव के साथ सूर्य की परिक्रमा करती है।

जून माह में पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर अधिक झुका रहता है, जिसके कारण 21 जून को सूर्य का प्रकाश सबसे अधिक समय तक धरती पर प्राप्त होता है। इस दिन सूर्य से मिलने वाली ऊर्जा सामान्य दिनों की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत तक अधिक प्रभावी मानी जाती है।

आचार्य आनंद दुबे ने बताया कि रविवार को सूर्योदय सुबह 5:13 बजे और सूर्यास्त शाम 7:03 बजे होगा। इस प्रकार दिन की अवधि लगभग 13 घंटे 50 मिनट रहेगी, जो वर्ष की सबसे लंबी अवधि है। इसके बाद दिन धीरे-धीरे छोटे और रातें बड़ी होने लगती हैं।

21 सितंबर के आसपास दिन और रात लगभग बराबर हो जाते हैं। इस दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी होता है जो योग शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया है।

सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य के लिए सूर्य का विशेष महत्व है। इस दिन सूर्य का प्रकाश सबसे अधिक समय तक पृथ्वी पर रहता है, इसलिए इस दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाना अत्यंत सार्थक है।

# जयपुर-दरभंगा के बीच शुरू, क्या है शेड्यूल? खातीपुरा मेगा कोचिंग टर्मिनल से लगे चार चांद!

(जीएनएस)।

जयपुर में 21 जून 2026 को दो बड़ी रेलवे उपलब्धियां हासिल हुईं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खातीपुरा (जयपुर) - दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई और खातीपुरा मेगा कोचिंग टर्मिनल का उद्घाटन किया। साथ ही सीकर जिले के सुंदरपुरा में नए रेलवे स्टेशन की घोषणा भी की गई।

यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे के तेज विस्तार और आधुनिकीकरण का हिस्सा है। नई ट्रेन की सुविधाएं, मेगा टर्मिनल का महत्व, आर्थिक-सामाजिक फायदे को विस्तार से समझते हैं...

अमृत भारत एक्सप्रेसः जयपुर-दरभंगा के बीच नई उड़ान

ट्रेन का विवरणः

ट्रेन नंबरः 19725 (खातीपुरा से दरभंगा), 19726 (वापसी)।

दूरीः लगभग 1164-1313 किलोमीटर (मार्ग के अनुसार)।

यात्रा समयः करीब 26-27 घंटे।

फ्रीक्वेंसीः सप्ताह में 6 दिन (दरभंगा से रविवार को छोड़कर, खातीपुरा से शुक्रवार को छोड़कर)।

कोचः 22 कोच वाली आधुनिक अमृत भारत रेक, स्लीपर और अनरिजर्व्ड क्लास पर फोकस।

रूटः खातीपुरा - जयपुर - बांदीकुई - भरतपुर - टूंडला - कानपुर - लखनऊ/गोमतीनगर - गोंडा - गोरखपुर - कप्तानगंज - नरकटियागंज - रक्सौल - सीतामढ़ी - दरभंगा।

ट्रेन की शुरूआत राजस्थान और बिहार के बीच सीधी, आरामदायक और किफायती कनेक्टिविटी देगी। पहले इस रूट पर सीधी ट्रेनें सीमित

थीं या बदल-बदल कर जाना पड़ता था। अब छात्र, व्यापारी, प्रवासी मजदूर, तीर्थयात्री और परिवार आसानी से यात्रा कर सकेंगे।

अमृत भारत ट्रेनों की खासियतें क्या हैं?

आधुनिक डिजाइन, बेहतर सीटिंग, बेहतर वेंटिलेशन और लाइटिंग।

स्वच्छ शौचालय, बेहतर फूड प्लाजा/कैटरिंग।

सुरक्षा और सुविधा पर जोर।

सस्ती टिकटें, जो आम यात्रियों के लिए वरदान साबित होंगी।

खातीपुरा मेगा कोचिंग टर्मिनलः 205 करोड़ का हाईटेक हब

खातीपुरा स्टेशन पर 205 करोड़ रुपये की लागत से बना यह मेगा कोचिंग टर्मिनल भारतीय रेलवे का एक अत्याधुनिक रखरखाव केंद्र है।

मुख्य सुविधाएंः

महीने में लगभग 450 ट्रेनों (रेक) की देखभाल और मेंटेनेंस की क्षमता।

एक साथ 4 कोच उठाने (लिफ्टिंग) की सुविधा।

बिना रेक काटे कोच बदलने, मरम्मत और टेस्टिंग की आधुनिक व्यवस्था।

हाईटेक उपकरण, बेहतर वर्कशॉप और स्टाफ सुविधाएं।

यह टर्मिनल जयपुर डिवीजन की ऑपरेशनल क्षमता को कई गुना बढ़ाएगा। ट्रेनों की टर्नअराउंड समय कम होगा, देरी घटेगी और उपलब्धता बढ़ेगी। उत्तर-पश्चिमी रेलवे (ठहफ) के लिए यह बड़ा बूस्ट है।

किसे कितना फायदा?

1. यात्रियों और आम लोगों कोः

राजस्थान से बिहार, पूर्वी वढ और नेपाल बॉर्डर क्षेत्र तक आसान यात्रा।

खाटू श्यामजी जैसे तीर्थस्थलों के लिए नए स्टेशन (सुंदरपुरा) से अतिरिक्त सुविधा।

बेहतर रखरखाव से ट्रेनें समय पर चलेंगी, दुर्घटनाओं का खतरा कम। प्रवासी मजदूरों (बिहार-राजस्थान) को सस्ता और आरामदायक विकल्प।

2. अर्थव्यवस्था और व्यापार कोः

दोनों राज्यों के बीच व्यापार बढ़ेगा - राजस्थान का पत्थर, मसाले, टूरिज्म प्रोडक्ट्स; बिहार का कृषि उत्पाद, हस्तशिल्प।

टूरिज्म बूस्टः राजस्थान के पर्यटक बिहार के बौद्ध सर्किट (बोधगया, वैशाली) जा सकेंगे। बिहार के श्रद्धालु पुष्कर, जयपुर, खाटू श्यामजी आ सकेंगे।

रोजगारः टर्मिनल और नई ट्रेन से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष नौकरियां (मेंटेनेंस, कैटरिंग, टूरिज्म गाइड आदि)।

3. राजस्थान राज्य कोः

रेलवे बजट आवंटन 2009-14 के औसत 682 करोड़ से बढ़कर 2026-27 में 10,228 करोड़ रुपये हो गया।

राज्य में 76,800 करोड़ रुपये से ज्यादा की रेल परियोजनाएं चल रही हैं।

85 अमृत स्टेशनों का विकास।

जयपुर जैसे बड़े शहरों की कनेक्टिविटी मजबूत होने से निवेश आकर्षित होगा।

4. बिहार और पूर्वी भारत कोः

बेहतर कनेक्टिविटी से विकास की गति बढ़ेगी।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि दोनों राज्यों के लोगों की यात्रा आसान होगी।

5. पर्यटन और शिक्षाः

खाटू श्यामजी, पुष्कर, जयपुर महल-किले और बिहार के धार्मिक स्थलों के बीच आवाजाही बढ़ेगी।

छात्रों के लिए बेहतर ऑप्शन, खासकर कोचिंग हब जयपुर आने-जाने वालों के लिए।

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव

पिछले वर्षों में अमृत भारत स्टेशन योजना, वंदे भारत, अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी पहलें रेलवे को विश्वस्तरीय बना रही हैं। राजस्थान में डबलिंग, इलेक्ट्रिफिकेशन, नई लाइनें और स्टेशन आधुनिकीकरण तेज गति से हो रहा है। खातीपुरा टर्मिनल इस दिशा में एक मील का पत्थर है।

चुनौतियां भी हैंः

- ट्रेन की औसत स्पीड अभी भी 44-47 किमी/घंटा है - आगे और तेज करने की जरूरत।

- भीड़भाड़ वाले रूट पर अतिरिक्त ट्रेनों की मांग रहेगी।

- मेंटेनेंस स्टाफ की ट्रेनिंग और आधुनिक टेक्नोलॉजी का पूरा उपयोग।

# सीएम योगी ने ललितपुर जिले को दी बड़ी सौगात, कहा- अब बहन-बेटियों को सिर पर नहीं ढोना पड़ता पानी

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ललितपुर में 1766 करोड़ रुपये की 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया. उन्होंने कांग्रेस और सपा पर ललितपुर की उपेक्षा का आरोप लगाया है.**

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार (20 जून) को ललितपुर जिले को विकास की सौगात दी है. इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा सरकारों ने मिलकर भी ललितपुर को 1500 करोड़ रुपये नहीं दिए, जबकि आज हम एक दिन में ही 1766 करोड़ रुपये की 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुवन मंदिर मैदान में राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित 1766 करोड़ रुपये की 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इस मौके पर उन्होंने ललितपुर की विकास यात्रा पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई.

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब एक्शन की बारी! जांच कर अयोध्या से लखनऊ रवाना हुई रक्ळ टीम

**कांग्रेस-सपा की उपेक्षा का दंश झेल रहा था ललितपुर**

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने पांच दशक और सपा ने चार बार सरकार चलाई, लेकिन ललितपुर को विकास से कोसों दूर रखा गया. सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और

स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं. बहन-बेटियां सिर पर घड़े ढोकर पानी लाती थीं. अवैध खनन और माफिया राज चलता था.

**अब हर घर पहुंच रहा शुद्ध पेयजल**

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड में 'हर घर जल' योजना साकार हो रही है. अब बहन-बेटियों को सिर पर पानी ढोने की जरूरत नहीं है. अर्जुन सहायक परियोजना, रतौली बांध, बावनी बांध और चिल्ली सिंचाई परियोजना जैसी लंबित योजनाओं को पूरा किया गया है, जिससे किसानों की आय कई गुना बढ़ रही है.

**फार्मा पार्क और औद्योगिक शहर बनेगा ललितपुर**

सीएम ने घोषणा की कि 1500 एकड़ में यूपी का पहला फार्मा पार्क ललितपुर में बनेगा. साथ ही बुंदेलखंड में यूपी का सबसे बड़ा औद्योगिक शहर बसाया जाएगा. इससे हजारों युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा और पलायन रुकेगा.

**अच्छे विधायक-सांसद से ही अच्छा विकास संभव**

मुख्यमंत्री ने ललितपुर के विधायकों रामरतन कुशवाहा और मन्नू कोरी व सांसद अनुराग शर्मा की तारीफ की. उन्होंने कहा कि अच्छे विधायक और सांसद होने से ही विकास संभव है. उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने की बात भी कही.

सीएम का स्पष्ट संदेश

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा और कांग्रेस की सरकारों में परिवारवाद और माफियावाद हावी था. उनके लिए सैफई और दिल्ली ही सब कुछ था, जबकि भाजपा सरकार के लिए 25 करोड़ जनता परिवार है. उन्होंने ब्रह्मोस मिसाइल और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की.

**समारोह में उपस्थित प्रमुख अतिथि**

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री दानिश आजाद अंसारी, राज्यमंत्री मनोहर लाल 'मन्नू कोरी', सांसद अनुराग शर्मा, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन, नगर पालिका अध्यक्ष सोनाली जैन, तुवन सरकार मंदिर के महंत रामलखन दास और भाजपा जिलाध्यक्ष हरिशचंद्र रावत मौजूद रहे.

विधायक रामरतन कुशवाहा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि ललितपुर अब विकास, नवाचार और समृद्धि का प्रतीक बन रहा है. पहले यहां का युवा पलायन करता था, अब यहां नौकरियां और अवसर पैदा हो रहे हैं.

# योगी सरकार में पारदर्शी चयन प्रक्रिया बनी मिसाल, अंतिम चरण में स्पोर्ट्स कॉलेजों के एडमिशन

**इस वर्ष पांच स्पोर्ट्स कॉलेजों की 518 सीटों के लिए लगभग 2600 छात्रों ने आवेदन किया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है. मुख्य चयन परीक्षा 3 से 6 जून 2026 तक आयोजित की गई थी.**

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं के चयन को पूरी तरह निष्पक्ष और मेरिट आधारित बनाने की दिशा में एक और सराहनीय कदम उठाया गया है. प्रदेश के पांच स्पोर्ट्स कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है. मुख्य चयन परीक्षा की मेरिट सूची जारी कर दी गई है.

उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कॉलेजेज सोसाइटी के अधीन संचालित गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ, बीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर, मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई, स्पोर्ट्स कॉलेज सहारनपुर और स्पोर्ट्स कॉलेज फतेहपुर में कक्षा 6, 9 एवं 11 में

प्रवेश के लिए 558 खिलाड़ियों की मेरिट लिस्ट जारी की गई है. इनमें 391 खिलाड़ी मुख्य सूची में जबकि 167 खिलाड़ी प्रतीक्षा सूची में शामिल हैं.

**जैविक आयु जांच और मेडिकल परीक्षण**

चयनित खिलाड़ियों की जैविक आयु जांच और मेडिकल परीक्षण अगले चरण में होगा. एथलेटिक्स, बैडमिंटन, क्रिकेट और फुटबॉल के खिलाड़ियों की जांच लखनऊ उटड कार्यालय में, जिम्नास्टिक्स, हॉकी, जूडो, वॉलीबॉल व कुश्ती के खिलाड़ियों की गोरखपुर में तथा कबड्डी, तैराकी, हैंडबॉल, बॉक्सिंग और भारोत्तोलन के खिलाड़ियों की जांच सैफई/इटावा उटड कार्यालय में होगी.

**रिकॉर्ड आवेदनों से साबित हुई खेल नीति की सफलता**

इस वर्ष पांच स्पोर्ट्स कॉलेजों की 518 सीटों के लिए लगभग 2600 छात्रों ने आवेदन किया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है. मुख्य चयन परीक्षा 3 से 6 जून 2026 तक आयोजित की गई थी. चयन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया गया. इस सत्र से फतेहपुर और सहारनपुर स्पोर्ट्स कॉलेज भी शुरू हो रहे हैं.

**काउंसलिंग के बाद मिलेगा प्रवेश**

जैविक आयु जांच और मेडिकल परीक्षण में सफल खिलाड़ियों को काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा. उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कॉलेज प्रबंधन समिति के सचिव दीपेंद्र यादव ने कहा कि पूरी प्रक्रिया मेरिट के आधार पर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जा रही है.

**खेलों को बढ़ावा देने की मजबूत नीति**

योगी सरकार खेल प्रतिभाओं को न सिर्फ मंच उपलब्ध करा रही है बल्कि चयन प्रक्रिया को इतना पारदर्शी बना रही है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश नहीं रह गई है. इस साल नए दो स्पोर्ट्स कॉलेज शुरू होने से खेल प्रतिभाओं को और बेहतर अवसर मिलेंगे. प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे व नकारात्मक गतिविधियों से दूर रखने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है.

# ओमप्रकाश राजे निम्बालकर शिंदे गुट में हुए शामिल

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद ओमप्रकाश राजे निम्बालकर ने रविवार, 21 जून को आधिकारिक तौर पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने का ऐलान कर दिया।

उनके इस कदम को उद्धव ठाकरे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि पार्टी के भीतर पहले से ही बगावत के संकेत मिल रहे थे।

ओमप्रकाश राजे निम्बालकर, शिंदे गुट में शामिल होने वाले दूसरे बागी सांसद बन गए हैं। इससे पहले हिंगोली से सांसद नागेश पाटिल आष्टिकर भी शिंदे खेमे का दामन थाम चुके हैं। लगातार हो रहे इन घटनाक्रमों ने शिवसेना (यूबीटी) की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

ओमप्रकाश राजे निम्बालकर महाराष्ट्र के धाराशिव (उस्मानाबाद) लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। वह लंबे समय से शिवसेना की राजनीति से जुड़े रहे हैं और मराठवाड़ा क्षेत्र में उनकी अच्छी राजनीतिक पकड़ मानी जाती है। निम्बालकर स्थानीय स्तर पर सक्रिय नेता के रूप में पहचान रखते हैं और अपने क्षेत्र में संगठन तथा कार्यकताओं के बीच मजबूत प्रभाव रखते हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के टिकट पर जीत हासिल की थी। ओमप्रकाश कांग्रेस के पूर्व दिग्गज नेता पवनराजे निंबालकर के बेटे हैं, जिनकी 2006 में एक राजनीतिक हत्या कर दी गई थी। ओमराजे अपने पिता की विरासत को

आगे बढ़ा रहे हैं।

धाराशिव लोकसभा सीट से लगातार दूसरी बार सांसद चुने गए ओमराजे निंबालकर की मराठवाड़ा के युवाओं और किसानों के बीच गहरी पैठ है। शिवसेना में जब 2022 में पहली बड़ी टूट हुई थी, तब ओमराजे निंबालकर मजबूती से उद्धव ठाकरे के साथ खड़े रहे थे। यही कारण है कि उनका शिंदे गुट में जाना उद्धव ठाकरे के लिए एक बहुत बड़ा व्यक्तिगत और राजनीतिक नुकसान माना जा रहा है।

**शिंदे गुट में शामिल होने का ऐलान**

रविवार, 21 जून को ओमप्रकाश राजे निम्बालकर ने अपने राजनीतिक रुख को स्पष्ट करते हुए एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने का फैसला कर लिया। उनके इस कदम ने महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है।उनके फैसले से पहले नागेश पाटिल आष्टिकर ने भी शिंदे गुट में शामिल होने की पुष्टि की थी। आष्टिकर ने अपने फैसले के पीछे विकास कार्यों के लिए पर्याप्त फंड नहीं मिलने और पार्टी नेताओं की टिप्पणियों को वजह बताया था।

**कैसे शुरू हुई बगावत?**

17 जून को दिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में पार्टी के छह सांसद शामिल नहीं हुए। इन सांसदों में ओमप्रकाश राजे निम्बालकर, नागेश पाटिल आष्टिकर, संजय दिना पाटिल, संजय देशमुख, संजय जाधव और भाऊसाहेब वाकचौरे शामिल थे। बैठक में न आने के बाद यह चर्चा शुरू हो गई कि ये सांसद जल्द ही शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। शुरूआत में किसी सांसद ने खुलकर अपना रुख नहीं बताया, लेकिन बाद में घटनाक्रम तेजी से बदलने लगा।

**उद्धव ठाकरे के लिए क्यों बढ़ी चिंता?**

लोकसभा में शिवसेना (यूबीटी) के कुल 9 सांसद हैं। ऐसे में दो सांसदों के खुले तौर पर शिंदे गुट में जाने से पार्टी नेतृत्व पर दबाव बढ़ गया है। ळळ की रिपोर्ट के मुताबिक- यदि बाकी बागी सांसद भी शिंदे गुट में शामिल हो जाते हैं तो उद्धव ठाकरे की पार्टी को बड़ा नुकसान हो सकता है।

ओमप्रकाश राजे निम्बालकर के शामिल होने से एकनाथ शिंदे की शिवसेना को राजनीतिक मजबूती मिली है। वहीं उद्धव ठाकरे के सामने अपने सांसदों और संगठन को एकजुट रखने की चुनौती और बड़ी हो गई है।

फिलहाल इतना तय है कि ओमप्रकाश राजे निम्बालकर के शिंदे गुट में जाने से उद्धव ठाकरे को एक और बड़ा राजनीतिक झटका लगा है और पार्टी के भीतर चल रही बगावत अब खुलकर सामने आ चुकी है।